CENTRAL WATER COMMISSION

Central Water Commission
Technical Documentation Directorate
Bhagirath(English)& Publicity Section
****

West Block II, Wing No-5
R K Puram, New Delhi – 66.

Dated 13.4.18

Subject: Submission of News Clippings.

The News Clippings on Water Resources Development and allied subjects are enclosed for perusal of the Chairman, CWC, and Member (WP&P/D&R/RM), Central Water Commission. The soft copies of clippings have also been uploaded on the CWC website.

13/4/18
SPA (Publicity)

Encl: As stated above.

Deputy Director (Publication) 13/4/18

For information of Chairman &Member (WP&P/D&R/R.M.), CWC and all concerned, uploaded at www.cwc.nic.in

O/C

1
Covering L., YIS

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 13/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

Cauvery protests greet Modi in Chennai

Police detain Cauvery activists protesting against the Prime Minister's visit to Chennai and the Centre's failure to set up CMB. Near the Tamil Nadu Raj Bhavan on Thursday. AFP

SNS & PTI
CHENNAI, 12 APRIL

Pro-Tamil outfits protesting over the Cauvery issue on Thursday showed black flags to Prime Minister Narendra Modi when he arrived to formally inaugurate India's mega defence exhibition, Defexpo, at Thiruvidanthai, about 40 km from here.

The Tamizhar Vazhvuirimai Kootamaippu (TVK), an umbrella outfit of pro-Tamil outfits, and Manithaneya Jananayaga Katchi is led by MLA M Thamimun Ansari were among the organisations that staged protests in the vicinity of the Chennai airport. Veteran film director Bharathiraja and filmmaker Ameer held a demonstration at the airport premises, raising slogans. Police dispersed some of the protesters and detained others. In view of the protests, traffic snarls were witnessed around the airport and in its surrounding areas.

Black flags were hoisted atop the residences of DMK chief M Karunanidhi, party working president M K Stalin, Rajya Sabha MP Kanimozhi and other leaders, in protest against Modi's visit and for not forming the Cauvery Management Board.

Prime Minister Modi today said Centre has suggested to the finance commission to consider incentivising states working on population control, while refuting charges that the Terms of Reference of the 15th Finance Commission were biased against certain states.

PM on fast

NEW DELHI, 12 APRIL

Prime Minister Narendra Modi and the BJP national president Amit Shah on Thursday held a day-long fast over the alleged disruption of the just concluded Budget session of Parliament by the Opposition.

Both the PM and the BJP president had to contend with a vitriolic attack from the Congress on social media over their fast.

The Congress sought to pin down the government over the ruling BJP-led NDA's past track record in disruption of Parliament. SNS

एक घड़ा पानी के लिए पहाड़ सी मशक्कत

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

जान जोखिम में डालकर लाना पड़ता है पानी, जूज डैम का पानी नहीं आ रहा काम

तुलसीदास वैष्णव
rajasthanpatrika.com

वांसदा. राज्य में विकास के तमाम दावों के बावजूद नवसारी जिले के वांसदा तहसील स्थित रायबोर गांव के सिंगलमाल फलिया में रहने वाले लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं । पानी की किल्लत का आलम यह है कि महिलाओं से लेकर छोटे-छोटे बच्चों को भी कई किलोमीटर दूर पानी लेने जाना पड़ता है। जानकारी के अनुसार गांव पहाड़ों की ऊंचाई पर होने के कारण यहां पक्का रास्ता तक नहीं है। ऊपर से तो लोगों को कुछ दूरी पर स्थित जूज डैम भरा हुआ दिखता है, लेकिन उनकी प्यास नहीं बुझा पाता। पत्रिका संवाददाता ने जब गांव के लोगों से मिलकर उनकी समस्या जानने का प्रयास किया तो उन्होंने बताया कि रायबोर गांव की जनसंख्या डेढ़ हजार से ज्यादा है तथा सिंगलमाल फलिया में 40 से 50 घर स्थित हैं। यहां 500 से ज्यादा की आबादी रहती है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी इस विस्तार में पानी की सुविधा लोगों को नहीं मिल पाई है। लोगों को पहाड़ी से उतर कर वलखाना घाटी में जाकर पानी का जुगाड़ करना पड़ता है । सिंगलमाल फलिया में सरकार द्वारा एक-दो जगहों पर बोरिंग कराई गई है, लेकिन भूजल स्तर इतना नीचे चला गया है कि हैंडपंपों में से पानी नहीं निकलता। इससे लोगों को पानी के संकट से पूरे साल जूझना पड़ता है। पानी तथा अन्य जरूरी सुविधाओं से वंचित इस फलिया में युवकों से युवतियां विवाह भी नहीं करना चाहती हैं।

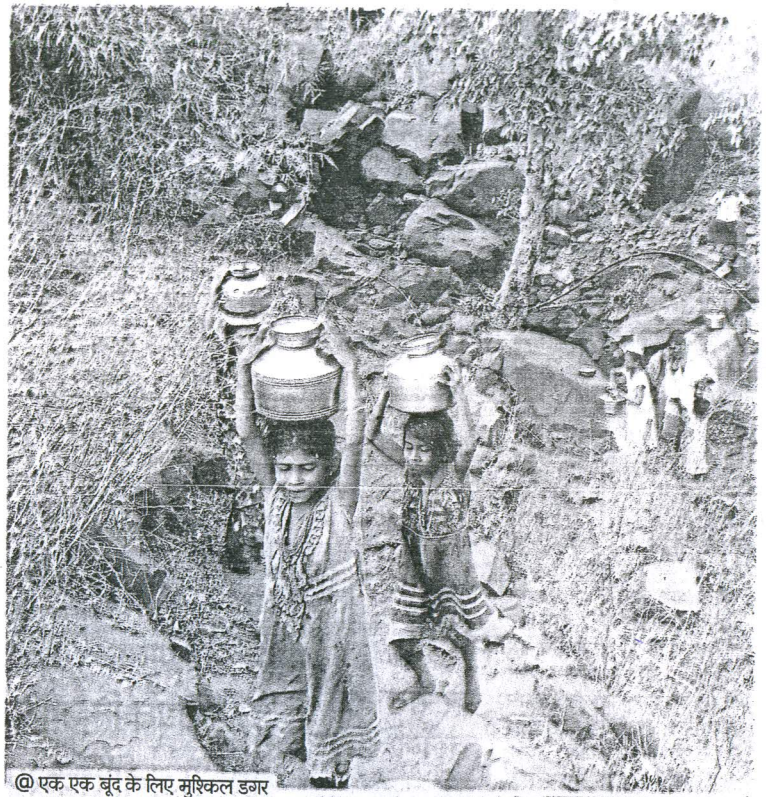

@ एक एक बूंद के लिए मुश्किल डगर

@ ऐसे हो रहा पानी का जुगाड़

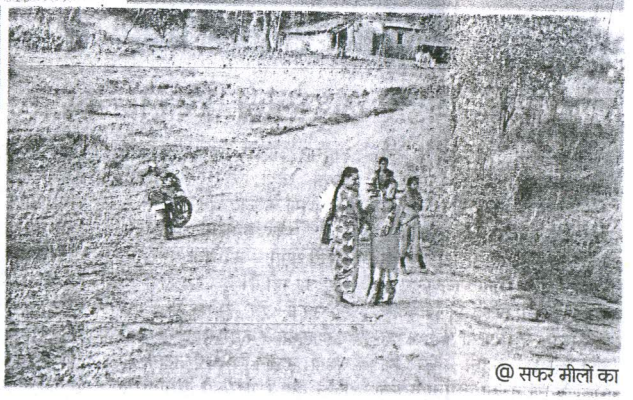

@ सफर मीलों का

अन्य सुविधाओं का भी अभाव

सिंगलमाल फलिया में पानी के अलावा रास्ता का भी अभाव है। ग्रामीणों को राशन लेने के लिए पांच किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। बीमार पड़ने पर भी मानकुनिया पीएचसी सेंटर तक पहुंचने में उन्हें पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। यही हाल स्कूल जाने वाले बच्चों का भी है, जिन्हें करीब सात किलोमीटर दूर तक पैदल चलना पड़ता है। सड़क के अभाव में सबसे ज्यादा दिक्कत बरसात में होती है। लोगों को इस सीजन में अपने वाहन घरों से करीब तीन किलोमीटर दूर छोड़कर पैदल आना पड़ता है। बरसात के दिनों में यदि कोई बीमार पड़ता है तो उसे टांग कर 5 से 6 किलोमीटर दूर खड़ी 108 एंबुलेंस तक पहुंचाना पड़ता है। इन समस्याओं के बारे में प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है। गत दिनों नवसारी कलक्टर और विधायक अनंत पटेल ने भी गांव पहुंच कर लोगों की समस्याएं जानी और इसके निराकरण का आश्वासन दिया था। इसके बावजूद अभी तक कुछ नहीं हुआ।

सरकार ने कुछ नहीं किया

जिला प्रशासन को सिंगलमाल फलिया में व्याप्त असुविधाओं की जानकारी है। कई बार सरकार में बैठे लोगों को भी इससे अवगत कराया गया, लेकिन उसके बाद भी सरकार की ओर से यहां मूलभूत सुविधाएं नहीं उपलब्ध कराई गई ।

बारुक चौधरी, जिला पंचायत सदस्य, वांसदा

नहीं देना चाहता कोई भी लड़की

सिंगलमाल फलिया में पानी के अलावा भी तमाम जरूरी सुविधाओं का अभाव है। इसके कारण हमारे बच्चों को कोई लड़की देना नहीं चाहता। इस कारण इस फलिया के युवकों की जल्दी शादी भी नहीं होती है।

चंपी बेन चौधरी, सिंगलमाल फलिया

घंटों इंतजार के बाद पानी

पानी के लिए घाटी में जाकर एक से दो घंटे बैठना पड़ता है और पहाड़ों में से निकल कर आने वाले पानी के जमा होने के बाद उसे भरकर लाते हैं। उसका उपयोग पीने के लिए करते हैं।

सनिबेन छना भाई गावित, सिंगलमाल फलिया

पानी लाने में निकल जाता है दिन

स्कूल में जाने से पहले पहाड़ी से उतरकर घाटी में पानी लेने जाना पड़ता है। इसी में आधा दिन निकल जाता है, जिससे पढ़ाई भी प्रभावित होती है ।

शीतल हिलीम, छात्रा- कक्षा 8

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 13/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC

खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद

आंधी-बारिश से किसान हुए तबाह

13-4-18

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

लखनऊ. मौसम के बदले रुख ने एक बार फिर किसानों की परेशानी बढा दी है। प्रदेश भर में आंधी और बारिश के कारण मौसम में भले ही नरमी आ गई हो लेकिन खेतों में खडी फसलों के खराब होने से अन्नदाता किसानों एक बार फिर से कुदरत का कहर अपने ऊपर महसूस कर रहे हैं। खेतों में खडी फसल बर्बाद होने से किसानों के चेहरे मुरझाए हुए हैं। आंधी-बारिश के कारण कई जगह हुए हादसों में कई लोगों की मौत भी हुई है।

दरअसल बुधवार की रात आंधी व तेज बारिश ने लोगों को भले ही गर्मी से राहत दी हो लेकिन

किसानों के लिए मुसीबत लेकर आई है। खेतों में खड़ी एवं कटी पड़ी फसल भीगने से किसानों के अरमानों पर पानी फिर गया है। तेज हवाओं के चलते खेतों में खड़ी गेहूं की फसल खेतो में बिछ गई है। वहीं फसल में पानी भरने से कटाई-मड़ाई का काम भी रुक गया है। तेज आंधी में खेतों में कटी पड़ी गेहूं की फसल उड़ने से किसान मायूस दिख रहे है। किसान अपना दुखड़ा रोते हुए बता रहे हैं कि वे फिर से बर्बादी की कगार पर आ गए है।

आपदा झेल रहे हैं किसान

पिछले कई सालों से प्रदेश के किसान दैवीय आपदा का दंश झेल रहे हैं। प्रदेश के किसी हिस्से में ओलावृष्टि तो कहीं बाढ के कारण किसानों की फसलें लगातार बर्बाद होती रही हैं। बुंदेलखंड में सूखे के कारण किसानों की फसलें हर बार बर्बाद हो जाती हैं और राहत पाने के लिए यहां के किसान लगातार आंदोलन का सहारा लेते हैं।

CENTRAL WATER COMMISSION

News item/letter/article/editorial published on 13/4/18 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)
Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald
M.P.Chronicle
A a j (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC

देशभर के 35 जिलों में करीब 3.6 करोड़ लोग पहले से चार डिग्री ज्यादा गर्म जलवायु में जीवन गुजार रहे

बारिश-सर्दी घट रही, बदल रहा गर्मी का मिजाज

हिं-13-4-18

मौसम

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

कुछ घटनाएं चौंकाने वाली हैं। पहली बार सुनने पर यकीन नहीं होता है लेकिन यह जलवायु परिवर्तन की सच्चाई सामने है। खतरे अब साफ तौर से नजर आ रहे हैं। देश के 35 जिलों में करीब 3.6 करोड़ लोग पहले से ही चार डिग्री ज्यादा गर्म जलवायु में जीवन गुजार रहे हैं। औसत बारिश तकरीबन 86 मिलीमीटर कम हो गई है। गर्मी और सर्दी के मौसम के बीच में तापमान की खाई भी लगातार घटती जा रहा है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय में जलवायु परिवर्तन के परियोजनाओं से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहले जो प्रभाव नजर नहीं आते थे वह अब स्पष्ट दिखने रूप से लगे हैं। इन खतरों को अब आम लोग भी समझने लगे हैं लेकिन वास्तविक खतरों के भावी आकलन की अभी भी अनदेखी हो रही है। तापमान में बदलाव का प्रभाव मानव स्वास्थ्य, कृषि और जल स्रोतों पर दिखने लगा है। यह प्रभाव भविष्य के लिए बेहद खतरनाक भी साबित हो सकता है।

उत्तरी जिलों पर सूखे का खतरा ज्यादा

आईआईएम अहमदाबाद के विशेषज्ञों ने हाल में 1951-2013 के आंकड़ों को आधार बनाकर 346 ऐसे जिलों की पहचान की, जिनके औसत तापमान में दो से तीन डिग्री की बढोतरी हो चुकी है। ये जिले उत्तरी राज्यों एवं बिहार में हैं। 2045 तक इन जिलों में सूखे का सबसे ज्यादा खतरा होने की आशंका जताई गई है।

शिमला में बुधवार को हुई बारिश के बाद बाजार जाते लोग। • फाइल फोटो

साढ़े तीन करोड़ लोग खतरे में

मौसम विभाग के आंकड़े बताते हैं कि जयपुर, ऐजल, भीलवाड़ा, झालावाड़, पश्चिमी त्रिपुरा, शिवपुरी और गुना समेत 35 जिले ऐसे हैं जिनके तापमान में चार डिग्री या इससे ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यहां करीब 3.6 करोड़ लोग रहते हैं। इन लोगों के समक्ष, स्वास्थ्य, कृषि तथा पानी का सबसे ज्यादा खतरा है।

बारिश-जाड़ा घटा

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रोपिकल मीटरोलॉजी, पुणे की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 45 सालों में औसत बारिश 86 मिमी घटी है। दूसरे, सर्दियों का मौसम सिकुड़ रहा है जो करीब 90 दिनों का होता था वह 65-70 दिनों का रह गया है। इसके हालांकि सर्द दिनों की संख्या बढ़ रही है लेकिन सामान्य सर्द दिनों की संख्या में कमी आ रही है। मौसम विभाग की रिपोर्ट कहती है कि हल्की बारिश, हल्की सर्दी के दिन घट रहे हैं।

घटने लगा मौसम-मौसम का फर्क

मौसम विभाग के अनुसार, फरवरी सर्दियों का महीना माना जाता है। उत्तर भारत में मार्च से गर्मी की शुरुआत होती है और अप्रैल में यह तेजी से बढ़ती है। लेकिन फरवरी और अप्रैल के महीने के औसत तापमान में सात-आठ डिग्री से ज्यादा फर्क नहीं है। जबकि यह 17-18 डिग्री तक होना चाहिए। हाल के वर्षों में यह बदलाव दिखा है और इस साल भी यही रुझान दिख रहा है। दरअसल, सर्दियों में बारिश घट रही है। नतीजा यह होता है कि जनवरी के आखिरी या फरवरी शुरू से ही गर्मी बढ़ने लगती है। उधर, मार्च में थोड़ी गर्मी बढ़ती है लेकिन अप्रैल में पश्चिमी विक्षोभ से उत्तर भारत में बारिश होने लगती है। इससे पारा गिरता है। अप्रैल में पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी भी चौकाती है, लेकिन यह ग्लेशियरों की सेहत नहीं सुधार पाती।

पिथौरागढ़ में बारिश और ओलावृष्टि, हिमपात भी

पिथौरागढ़। पिथौरागढ में गुरुवार शाम तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमपात हुआ है। ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं हल्द्वानी, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा आदि जिलों में मौसम साफ रहा। गुरुवार देर शाम डीडीहाट, मुनस्यारी,धारचूला,अस्कोट और कनालीछीना में तेज बारिश हुई। बेरीनाग, चौकोड़ी, झूलाघाट, वड्डा और जनपद मुख्यालय में तेज बारिश के साथ जबर्दस्त ओलावृष्टि हुई। इससे फसलें चौपट हो गई है।

जलभराव से परेशानी

तेज बारिश से सिल्थाम, गंगा निवास, टकाना, एंचोली में सड़कों पर पानी बहने लगा। रई, पंडा पुल, जाजरदेवल सहित कई स्थानों में जलभराव हो गया। बारिश के साथ ओलावृष्टि से थलकेदार, चंडाक, नैनीसैनी, असुरचूला में चोटियों पर ओलों की सफेद चादर बिद गई। पिथौरागढ़ के पंचाचूली, राजरंभा, हंसलिंग, छिपलाकेदार, मिलम, नागनीधूरा में जमकर हिमपात हुआ। वहीं मुनस्यारी से सटे खलिया टॉप में एक इंच बर्फबारी हुई।